Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Workshop on Women safety and security

पत्रिका . इंदौर . शुक्रवार . 09.03.2018

'महिला और कानून' पर हुआ व्याख्यान

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • सभी समस्याओं की जड़ मानसिक गुलामी है। इससे मुक्त होते ही स्वतंत्रता हो सकती है। समाज में महिला अधिकारों के लिए कई कानून बने है, जो उन्हें समाज में आगे बढ़ने और अपने पैरों पर खड़ा होने में सहारा देते है। महिलाओं को अपनी ताकत का पता होना चाहिए। अपने अधिकारों का उपयोग करना चाहिए।

यह बात हाईकोर्ट एडवोकेट गगन बजाड़ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महाराज रणजीतसिंह कॉलेज में 'महिला और कानून' विषय पर आयोजित व्याख्यान में कही। उन्होंने कहा, महिलाओं में अपार सहनशक्ति होती है। इसे सकारात्मक रूप देने की जरूरी है। स्त्रियों को धर्म की चौखट से बाहर आकर उसके सही मर्म समझना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को प्राप्त कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. आनंद निघोजकर, महाराजा रणजीतसिंह इंस्टिट्यूशन की डायरेक्टर डॉ. इरा बापना, डॉ. पुष्पेंद्र दुबे सहित अन्य लोग मौजूद थे।

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Nukkad Natak (16/10/2018)

नईदुनिया
इंदौर, मंगलवार 16 अक्टूबर 2018

सोच बदलो अभियान के तहत रणजीतसिंह कॉलेज में 12 छात्र-छात्राओं ने दी प्रस्तुति

नुक्कड़ नाटक से बताया समाज में महिलाओं के साथ हो रहा उत्पीड़न

नईदुनिया # सोच बदलो!

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

जिस तरह से शहर स्वच्छ हुआ है, उसी तरह से समाज में भी स्वच्छता लाने की जरूरत है। आज भी समाज में महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले कम नहीं हुए हैं। जो मामले सामने आ जाते हैं वो तो दिखाई देते हैं लेकिन कई मामले सामने ही नहीं आ पाते। समाज में महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे मामलों को नुक्कड़ नाटक से बताने की कोशिश की गई। सोमवार को महाराजा रणजीतसिंह कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने 8 तरह के विषयों से महिलाओं के साथ होने वाले मामलों को बताने की कोशिश की। भ्रूण हत्या, रेप, पारिवारिक विवाद, शिक्षा जैसे विषयों को नाटक से चित्रित कर बताया गया कि सिर्फ बातों से काम नहीं चलेगा, समाज को अपनी सोच बदलनी होगी।

नुक्कड़ नाटक के जरिए आठ तरह के विषयों से महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को बताने की कोशिश करते छात्र-छात्राएं।

छात्र-छात्राओं ने इशारों में दे दिए संदेश : भ्रूण हत्या को लेकर नुक्कड़ नाटक करने वाले सदस्यों का कहना था कि समाज में अब भी लड़कों को ज्यादा तवज्जो दी जाती है। कई परिवारों में लड़की पैदा हो जाने के बाद कलह शुरू हो जाती है। इससे बच्ची के साथ मां को भी जीवनभर यातनाएं सहन करनी पड़ती हैं। रेप को लेकर छात्राओं ने इशारों में बताया कि ऐसे मामलों पर कुछ लोग खुद को समाज का ठेकेदार बताकर कहते हैं कि महिलाओं को संस्कारों का ध्यान रखना चाहिए। कहते हैं देर तक घर से बाहर न रहो, छोटे कपड़े न पहनो, बाहर के शहरों में पढ़ने न जाओ। नुक्कड़ नाटक में बीबीए, बीएससी, बीकॉम और एमएससी के पीयूष रस्तोगी, ममता उदासी, स्वाति बत्रा, कंचन, प्रीति, शिविका, शिविता, गगन जग्गा और अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया। नुक्कड़ नाटक की तैयारी डॉ. मुकेश पाटीदार ने कराई थी। इसमें संस्थान डायरेक्टर ईरा बाफना, प्रिंसिपल डॉ. एन आनंद, डॉ. पुष्पेंद्र दुबे सहित 500 से ज्यादा छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

स्त्री कोमल हो सकती है, कमजोर नहीं

'स्त्री हिंसा मुक्त समाज और मेरी भूमिका' विषय पर परिचर्चा

इंदौर। हम सभी ने अपनी आंखों पर एक चश्मा पहन रखा है, जिससे हमें दुनिया वैसी दिखाई देती है जैसा हम देखना चाहते हैं। हम स्त्री को कमजोर समझते हैं जबकि हम सबको जन्म देने वाली स्त्री कोमल हो सकती है, परंतु कमजोर कतई नहीं हो सकती।

इस तरह के विवेकशील विचार महाराजा रणजीतसिंह कॉलेज में महिला सशक्तिकरण संगठन द्वारा आयोजित परिचर्चा में 6 कॉलेजों के 11 प्रतिभागी स्टूडेंट्स द्वारा रखे गए। विषय था-'स्त्री हिंसा मुक्त समाज और मेरी भूमिका।' इसमें स्टूडेंट्स ने स्वयं को शासन, प्रशासन और समाज के जिम्मेदार नुमाइंदों के तौर स्त्री हिंसा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका पर बात की। कस्तुरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट की स्टूडेंट सौम्या शर्मा ने कहा कि परिवार ही संस्कारों की नींव रखता है। यदि परिवार में ही हम उचित माहौल तैयार करेंगे तो परिवार के सदस्य कभी समाज में अपराधों को बढ़ावा नहीं देंगे। चोइथराम नर्सिंग कॉलेज की प्रियंका राणा ने बतौर नर्स स्त्री हिंसा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका एक समाजसेवी के तौर पर बताई। उन्होंने कहा कि देश में लोगों की मानसिकता सुधारने और पीड़ित स्त्रियों को अधिकार दिलाने के लिए समाजसेवियों की आवश्यकता है। माहेश्वरी कॉलेज के संजय यादव ने समाज में स्त्रियों को बराबरी का हक देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी दुर्घटना होने पर हम लड़कियों को दोष देते हैं, उन पर ही पाबंदी लगाते हैं, जबकि उन्हें भी लड़कों की ही तरह समाज में स्वतंत्र रूप से रहने का अधिकार है। मुख्य अतिथि चिल्ड्रन एंड वूमन्स वेलफेयर काम करने वाली संस्था निप्सिड के प्रेसिडेंट श्रीकृष्ण मूर्ति थे। समाजसेवी जनक पलटा, कस्तुरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट हेड, पुष्पा सिंह, अर्चना जायसवाल आदि मौजूद थे। महिला सशक्तिकरण संगठन की अध्यक्ष डॉ. सविता इनामदार और सचिव डॉ. उषा उकाण्डे के साथ ही कॉलेज की ओर से चेयरमैन डॉ. बालकृष्ण पंजाबी तथा रविन्द्रकौर कलसी कार्यक्रम में शरीक हुईं। निणार्यक एनी पवार और डॉ. उषा तिवारी थीं।

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Safety and Security

Webinar on “Crime against Women”
23.01.2021

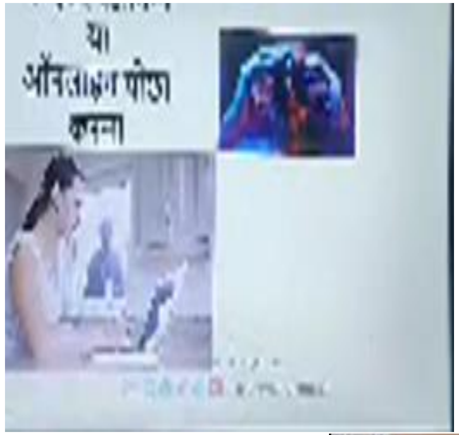

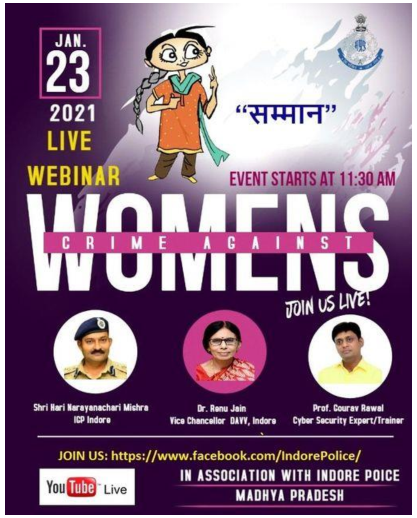

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Safety and Security- Security Guard

Pic.1

Pic.2

Pic.3

Security Guard

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Safety and Security- Security Guard

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Safety and Security- CCTV CAMERA (corridor and main gate)

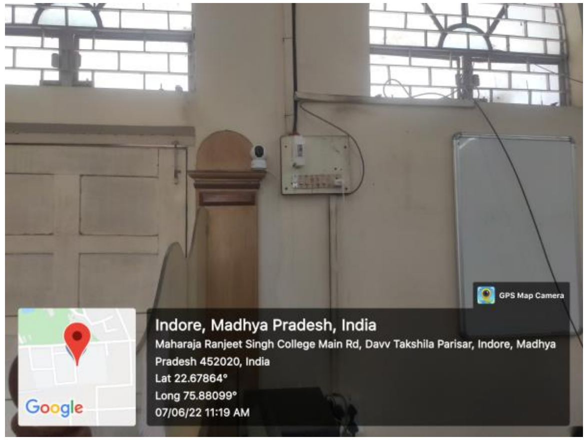

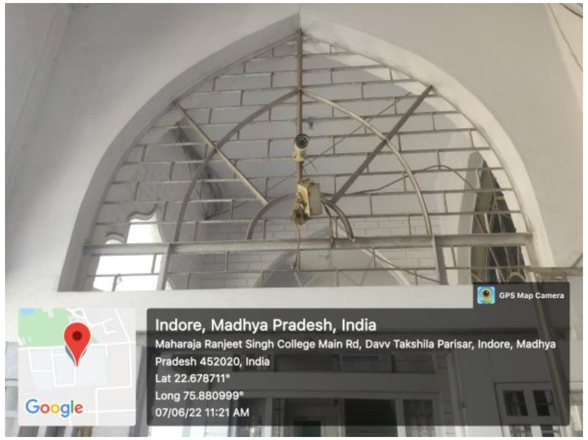

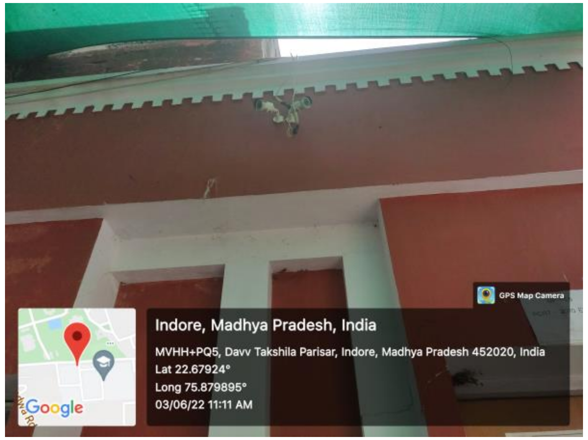

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Counselling Cell

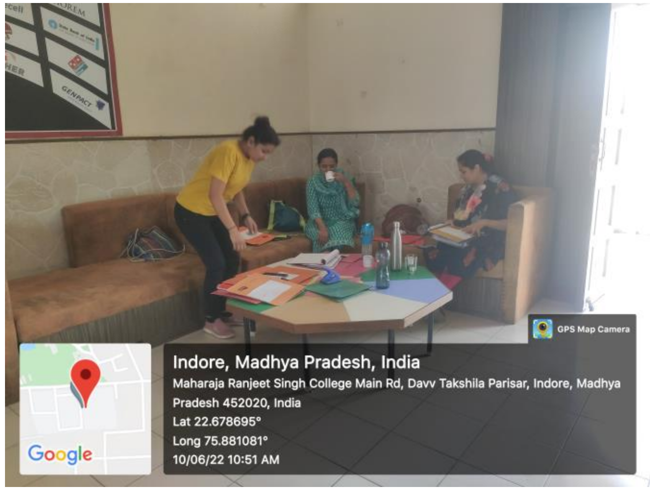

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Common Room

Maharaja Ranjit Singh College of Professional Sciences, Indore

Day care centre for young children